

# Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 1

## Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 1 in Sanskrit

अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवं रत्वीजम् । होतारं रत्नधातमम् ॥  
अग्निः पूर्वेभिर्षिभिरीड्यो नूतनैरुत । स देवानेह वक्षति ॥  
अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवे-दिवे । यशसं वीरवत्तमम् ॥  
अग्ने यं यज्ञमध्वरं विश्वतः परिभूरसि । स इद्देवेषु गच्छति ॥  
अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः । देवो देवेभिरा गमत ॥  
यदङ्ग दाशुषे तवमग्ने भद्रं करिष्यसि । तवेत तत् सत्यमङ्गिरः ॥  
उप तवाग्ने दिवे-दिवे दोषावस्तर्धिया वयम् । नमो भरन्त एमसि ॥  
राजन्तमध्वराणां गोपां रतस्य दीदिविम । वर्धमानंस्वे दमे ॥  
स नः पितेव सूनवे अग्ने सूपायनो भव । सचस्वा नः सवस्तये ॥

## Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 1 in English

agnim īle purohitam yajñasya devam ṛtvījam | hotāraṁ ratnadhātamam ||  
agniḥ pūrvebhir ṛṣibhir īḍyo nūtanair uta | sa devāneha vakṣati ||  
agninā rayim aśnavat poṣam eva dive-dive | yaśasaṁ vīravattamam ||  
agne yaṁ yajñam adhvaraṁ viśvataḥ paribhūr asi | sa id deveṣu gachati ||  
agnir hotā kavikratuḥ satyaś citraśravastamaḥ | devo devebhir ā gamat ||  
yad aṅgha dāśuṣe tvam agne bhadraṁ kariṣyasi | tvet tat satyam aṅgiraḥ ||  
upa tvā agne dive-dive doṣā vastar dhiyā vayam | namo bharanta emasi ||  
rājantam adhvarāṇām gopāṁ ṛtasya dīdivim | vardhamānaṁ sve dame ||  
sa naḥ piteva sūnave agne sūpāyano bhava | sacasvā naḥ svastaye ||

## Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 1 Meaning in English

**I praise Agni, the divine priest of the sacrifice, the godly minister, the invoker, and the one who bestows precious treasures.**

**Agni, who was worshipped by ancient sages and is still worshipped today, is the one who carries our offerings to the gods.**

**By worshipping Agni, we gain wealth, prosperity, fame, and bravery every day.**

**O Agni! The sacrifice you protect from all sides surely reaches the gods.**

**Agni is the chief priest, wise like a poet, firm in truth, and the most gloriously heard of. He comes along with the gods.**

**O Agni! When you bless your devotee with goodness, that blessing always turns out true. This is the truth spoken by the Angirasas.**

**O Agni! Day by day, both morning and evening, we approach you with devotion, offering our salutations.**

**You are the king of sacrifices, the protector of truth, ever-radiant, and growing in your own home.**

**O Agni! Like a father is kind to his son, be a good guide to us, and lead us towards well-being.**

**Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 1 Meaning in Hindi**

**अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवं रत्वीजम् । होतारं रत्नधातमम् ॥**

मैं अग्नि देव की स्तुति करता हूँ, जो यज्ञ के पुरोहित हैं, देवताओं के पुजारी हैं, और यज्ञ में आहुतियाँ देने वाले श्रेष्ठ होमकर्ता हैं। वे रत्न (संपत्ति) देने वाले हैं।

**अग्निः पूर्वेभिर्षिभिरीड्यो नूतनैरुत । स देवानेह वक्षति ॥**

अग्नि, जो प्राचीन ऋषियों द्वारा पूजनीय रहे हैं और आज भी पूजे जाते हैं, वही हमें देवताओं के पास पहुँचाते हैं।

**अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवे-दिवे । यशसं वीरवत्तमम् ॥**

अग्नि के माध्यम से हम प्रतिदिन धन, समृद्धि, यश और वीरता को प्राप्त कर सकते हैं।

**अग्ने यं यज्ञमध्वरं विश्वतः परिभूरसि । स इद्देवेषु गच्छति ॥**

हे अग्ने! तुम जिस यज्ञ की रक्षा चारों ओर से करते हो, वह यज्ञ निश्चय ही देवताओं तक पहुँचता है।



अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः । देवो देवेभिरा गमत ॥

अग्नि श्रेष्ठ यज्ञकर्ता हैं, जिनकी बुद्धि कवियों जैसी गहन और सत्य के प्रति समर्पित है। वे दिव्य गुणों वाले हैं और देवताओं के साथ आते हैं।

यदङ्ग दाशुषे तवमग्ने भद्रं करिष्यसि । तवेत तत सत्यमङ्गिरः ॥

हे अग्ने! जब तुम अपने भक्त को कल्याण प्रदान करते हो, तो वह आशीर्वाद निश्चित रूप से फलदायक होता है। यह अङ्गिरा ऋषियों का सत्य वचन है।

उप तवाग्ने दिवे-दिवे दोषावस्तर्धिया वयम । नमो भरन्त एमसि ॥

हे अग्ने! हम प्रतिदिन प्रातः और सायं तुम्हारे समीप श्रद्धा और नम्रता से आते हैं, और तुम्हें नमस्कार अर्पित करते हैं।

राजन्तमध्वराणां गोपां रतस्य दीदिविम । वर्धमानंस्वे दमे ॥

हे अग्ने! तुम यज्ञों के अधिपति हो, धर्म के रक्षक हो, प्रकाशमान हो और अपने स्थान पर सदैव बढ़ते हुए हो।

स नः पितेव सूनवे.अग्ने सूपायनो भव । सचस्वा नः सवस्तये ॥

हे अग्ने! जैसे एक पिता अपने पुत्र का हित करता है, वैसे ही हमारे लिए शुभकारी मार्गदर्शक बनो, और हमें कल्याण प्रदान करो।